८०६ नं ८

९०६

१४६

BH 806

हकीकत

नगीनाबाड़ी ∫ 1996

मितिप्रथमश्रावण वि० 1 ∫ 1996 से

आषाढ़ सुद 15 ∫ 1996 तक

(महाराणा श्री भोपाल सिंह जी) 146

(वृषमसावनसुद४गुरेतारीख२०.७.वष्तुईसवी
१९१६

सेलकरवापदारा।

कावड़ीइलाकेमारवाड़वाला रेलामालमेगाडूंगरसीह
जीमलदरोगमलीहजीपगेलागा.

दुबीएन्ड.दोबीवईकोएजेंटमोरनलालराजीरहुवे.नजरध
रीसोपाफकरमाईनोछावलकरी.

प्रबातेश्रीजीहजूररोप्रपोड़ीहोबीतरकादरम
करथापाद्यानकरदेहकारजकरपोसाकधार
हुई.पछेसलतोकारीकीलाभमुजारजाकरन्याप्र
रोगगनानलेबीराजा.वादनीनलोकप्ररोगा.पछे

हकीकत बहीड़ा नगीना बाड़ी संवत् 1996

(MMRI Code: BH 806)

पेज नं. 16

प्रथम सावण सुद 4 गुरे सवंत् 1996 तारीख 20.7.1939

सेर करवा पदारया

बावड़ी ईलाके के मारवाड़ वाला रे भायात मेला डूंगर सीग जी वलद मेग सीग जी पगे लागा

रूबी एंडको बंबई को एजेंट मोहन लाल हाजीर हुवो नजर करी सो माफ फरमाई नोछावल करी

परबाते श्री जी हजुर अपोड़ी हो चीतर का दरसन कर छायादान कर देह कारज कर पोसाक धारन हुई पछे सलोका री कीताब मुलाहजा कर चा अरोग नाम ले बीराजया बाद जीमण अरोगया पछे

तामजामसवारबेगाएेसडोंडीबेपीपलीगाटपं
दारकीसलीसवारबेजागतीवासपंदारतामजाम
सवारबेमरदानाकेपंदारबीराजा। पछेमाली
हुवो। नजरनुमालुमहुई। बादमुखफरमायो। दो
हेरामेनजपोडीहोबीराजा। जीमणएनजरोगा। बाद
मरेकमेरवासकोकामहुवो। बादबीराजा। रमा
तीजापोदराकाबावडीईलाकेमारवाड़। पातनारे
जामानमेनाडूंगरसीदलीवलदमेगसीदजीको
नागांनजरकरी। बादहुवीएनडकोबंबईको
एजंट मोहनलालदाजी रहुवो। नजरकरीसो
माफफरमाई। नोछावलकरी। पछेसीरनकरगा
माबादसानकीजोसाकधारनहुई।

केसरगोडोमोछडो	नगारखीसफेद
कोरमुरचमली	पाएजामोकली

पछेवडीऐकसरीधारनकरमाड। पानबजाता
मजामजगतीवासमुसवारबेगाटपरपदार।
कीसलीसवारबेबैलीगाटपदारतामजामसवा
रबेमोटरपासपदारमोटरसवारबेसमोरबाग
मेबेसुरजपोलबेफारसीहाकमबेन्योगानपा
सबेमुरजपोलबेबागमेबेपागडारीहतनी
पदारतामजामसवारबेपीतमनीवासमेसा
डाछेबजापदारबीराजा। जोतकामुजराहुवा।
बादबैठोकसतहुवो। जीमणएमाऐनजरोगा। बा

दमुखफरमायो। श्रीबडारामीजीसायबपदा

हकीकत बहीड़ा नगीना बाड़ी संवत् 1996

(MMRI Code: BH 806)

पेज नं. 17

तामजाम सवार वे गणेस डोडी वे पीपली घाट पदार कीसती सवार वे जगनीवास पदार तामजाम सवार वे महला मे पदार बीराजया पछे मालीस हुवो अरजया मालुम हुई बाद सुख फरमायो दोपहेरा मे अपोडी हो बीराजया जीमण अरोगया बाद महेकमे खास को काम हुवो बाद बीराजया रया तीजा पोहरा का बावडी ईलाके मारवाड़ वाला रे भायात मेता डूंगर सीग जी वलद मेग सीग जी पगे लागा नजर 1) करी बाद रूबी एन्डको बंबई को एजेंट मोहन लाल हाजीर हुवो नजर करी सो माफ फरमाई नोछावल 2) करी पछे सीख कर गया बाद साम की पोसाक धारन हुई

—केस अंगोछो मोठड़ो —अगरखी सफेद

—कोट मुखमली —पाएजामो ऊनी

पछेवड़ी ऐकसरी धारन कर साड़ा पांच बजया तामजाम जगनीवास सु सवार वे घाट पर पदार कीसती सवार वे बंसी घाट पदार तामजाम सवार वे मोटर पास पदार मोटर सवार वे समोर बाग मे वे सुरज पोल वे फारसी हाऊस वे चोगान पास वे सुरजपाल वे बाग मे वे पागड़ा री हतनी पदार तामजाम सवार वे पीतम नीवास मे साड़ा छे बजया पदार बीराजया जोत का मुजरा हुवा बाद बंदोबस्त हुवो जीमण माए अरोगया बाद सुख फरमायो श्री बड़ा राणी जी साब पदारया.....